संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-303 बुधवार,04 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दो अनमोल रतन

एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस

इस समय दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

कौन सी खबर प्रकाशित करें...

छत्तीसगढ़ सरकार

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

स्वास्थ्य मंत्री से समय मिलने पर दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र की टीम करेगी मुलाकात

» दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के संपादक सहित पत्रकार करेंगे स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात...द्वेषपूर्ण कार्यवाही की निष्पक्ष जांच कराने की करेंगे मांग...

» स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में फर्जी डिग्री सहित फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वालों के विरुद्ध जल्द हो कार्रवाई इसकी भी करेंगे मांग...

-विशेष संवाददाता-

अंबिकापुर,03 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना अखबार पर हुई कार्यवाही की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से समय मिलने पर संपादक सहित पत्रकार करेंगे मुलाकात। स्वास्थ्य मंत्री व अखबार के बीच गलतफहमियों को दूर करने सहित संप्रेषित करने की सफलता को स्पष्ट करने चर्चा की जाएगी जिसके लिए स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्याम बिहारी जायसवाल से उचित समय मांगा गया है ताकि विस्तृत चर्चा की जा सके और सारे पहलुओं पर प्रकाश डाला जा सके और सरकार को पत्रकारों के बीच जो दिक्कतें हैं उसका समाधान कैसे हो इस पर भी चर्चा की जाएगी,साथ ही जो कार्यवाही नियम विरुद्ध तरीके से हुई है उसपर जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने व फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र व फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाए इसके लिए भी मांग की जाएगी। बता दें की सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे हैं वहीं स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न राज्य प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी के भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी हथियाने का आरोप दिव्यांग सेवा संघ लगा रहा है। इन दोनों मामलों में स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर तत्काल कार्यवाही की मांग दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र की टीम करेगी यदि उन्होंने टीम को समय प्रदान किया। दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र की टीम स्वास्थ्य मंत्री से यह भी चर्चा करेगी की समाचार-पत्र की निष्पक्षता को लेकर उन्हे स्वतंत्र रहने को द्वेषपूर्ण न माना जाए।

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें जिससे आप खुश रहें...

अम्बिकापुर,03 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। सरकार की जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उस कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार के पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही तो...फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

बुलडोजर कार्यवाही कर संतुष्ट हुए सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर जी अब पूछ दीजिए कि क्या छापें

कलम बंद...का 64 वां दिन

?

कलम बंद...का 64 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

दैनिक घटती घटना संस्थान पर बुलडोजर चला कर क्या क्रूर्णतावादी होने का परिचय दिया सरकार ने ?

किसका हुक्म मान कर सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर संदीपान ने प्रतिष्ठान व कार्यालय पर बुलडोजर चलाया?

अखबार के कलम बंद करने से लेकर अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठान के टूटने तक की कहानी अपनी जुबानी

-भूपेन्द्र सिंह-

अम्बिकापुर,03 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा, तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है... सरकार किसी की भी हो उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है...वर्तमान सरकार में कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया जिसका परिणाम यह मिला की कार्यालय व प्रतिष्ठा को जमीदोज कर दिया।

कलेक्टर सरगुजा को वैसे तो काफी ईमानदार छवि का माना जा रहा था जब वह सरगुजा पहुंचे थे कलेक्टर बनकर लेकिन जैसे ही उनका नाम प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल से जुड़ा वैसे ही उनकी भी छवि अब पाक-साफ नहीं रह गई यह माना जा सकता है। एक फर्जी अहर्ता के आधार पर नौकरी करने के आरोपी के साथ उनकी घनिष्ठता उनकी छवि को नुकसान पहुंचा दिया। प्रभारी डीपीएम प्रिंस की तो आदत में ही छल और भ्रष्टाचार शुमार है वहीं जैसे ही उसकी शिकायत पर कलेक्टर सरगुजा एक अखबार के विरुद्ध सक्रिय हुए उसे नेस्तनाबूत करने के लिए यह तय हो गया कि कलेक्टर सरगुजा खुद के विवेक से चलने की बजाए एक ऐसे व्यक्ति के इशारे पर काम कर रहे हैं जो फिलहाल जिस नौकरी में है उसके ही जांच की मांग हो रही है और उसके अहर्ता के भी फर्जी होने की बात कही जा रही है भ्रष्टाचार के आरोप तो जो हैं वह हैं ही।

हमारा कसूर मात्र खबर लिखना

क्या सरकार की नजर में हमारा कसूर खबरों के मध्यम से कमी दिखाना था,क्या सही में यही वजह थी इसलिए प्रतिष्ठान को नेस्तनाबूत करने का निर्णय लिया गया,क्योंकि वह सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने वहीं सरकार के मंत्रियों के इर्द-गिर्द रहने वाले भ्रष्ट एवं ऐसे अधिकारियों के खिलाफ वह अभियान चला रहा होता है, जिनकी या तो डिग्री फर्जी है या फिर वह फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं, यदि कहा जाए कि केवल गलत लोगों साथ ही भ्रष्टाचार के रास्ते नौकरी में आए भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के लिए ही सरकार केवल सही व्यवहार रखती है...? ईमानदार और भ्रष्टाचार विरुद्ध सोच रखने वाले के खिलाफ ही सरकार क्या षड्यंत्र कर रही है...यह भी एक बड़ा सवाल है। जिस तरह दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र के विरुद्ध द्वेषवश कार्यवाही सरकार ने की वह कार्यवाही कोई हिंदूवादी सरकार की कार्यवाही नहीं कही जा सकती...? क्योंकि कार्यवाही पीठ पर वार जैसी थी वहीं कार्यवाही जब की गई समाचार-पत्र के संपादक के विरुद्ध वह गमगीन अवस्था में थे यदि कहा जाए सूतक काल में थे। वैसे कार्यवाही के संदर्भ में यह भी देखने को मिला कि कार्यवाही के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, यहां तक कि कैबिनेट की बैठक भी उन्हे करनी पड़ी जो यह साबित करने काफी है कि सरकार प्रदेश की हिंदूवादी सरकार जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुद को एक बेहतर सरकार बतलाती है वह भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए निम्न स्तरीय निर्णय लेने भी मजबूर हुई क्योंकि भ्रष्टाचारी एक तरफ एक मंत्री का भतीजा भी है और वहीं उसी मंत्री का एक ओएसडी भी और दोनों ही की नौकरी भी फर्जी है डिग्री फर्जी है एक की नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है।

कार्यवाही हुई तो उसके शिकायत पर जिसकी खबर छप रही थी, सरगुजा से नहीं मिला शकायतकर्ता... तो ढूंढ लाए कोरिया से...

दैनिक घटती-घटना अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठा पर कार्यवाही करने के लिए सरगुजा जिला प्रशासन ने कैसे शिकायतकर्ता को ढूंढ कर लाया,वह भी जिसके विरुद्ध लगातार अनियमिताओं खबर छप रही थी,सरगुजा जिले में नहीं मिला शिकायतकर्ता तो कोरिया से ढूंढ निकाला गया शिकायतकर्ता,ताकि अखबार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा सके और खबर को लेकर दबाव बनाया जा सके। यहां तक की कलम बंद अभियान को भी बंद किया जा सके।

संविधान विरोधी कार्यवाही में कौन-कौन थे शामिल...

न्यायालय में जवाब तो सबको देना होगा...

- प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई।
- स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में जो हो रहा था उससे उनकी छवि खराब हो रही थी जिसे बताने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया तो यह नहीं पता था कि उन्हें बताना कभी महंगा पड़ेगा।
- कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए जून 2024 में शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया गया।
- विज्ञापन रोक लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर दबाब बनाने के फैसले के विरोध में दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई 2024 से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके।
- दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...।
- 3 जुलाई 2024 को टीएल मीटिंग में कलेक्टर साहब ने अपने घनिष्ठ प्रिंस जायसवाल के आवेदन को मंगाया और जांच के लिए आदेशित किया।
- 5 जुलाई 2024 को नमनाकला आरआई ने जांच प्रतिवेदन जांच करके सौंप दिया।
- 10 जुलाई 2024 को आबंटन/व्यवस्थापन समिति के द्वारा हमारे आबंटन/व्यवस्थापन प्रकरण को अपात्र घोषित कर दिया गया।
- 13 जुलाई 2024 को मंत्री जी के प्रतिनिधि मंडल संपादक के कार्यालय पहुंचे बातचीत हुई और चलते बने।
- 19 जुलाई 2024 को कैबिनेट की बैठक रखी गई और पूर्व सरकार के फ्री होल्ड व 152 प्रतिशत वाली योजना को निरस्त कर दिया गया,जिस कारण पुरे प्रदेश के लोगो को नुकसान हुआ जिसका खामियजा नगरी निकाय चुनाव में वर्तमान सरकार भुगतना पड़ सकता है।
- अखबार के कार्यालय को और संपादक के प्रतिष्ठान को तोड़ने के लिए 19 जुलाई 2024 को कैबिनेट की बैठक रखी गई।
- 23 जुलाई 2024 को पूर्व सरकार के 152 परसेंट व फ्री होल्ड योजना को निरस्त कर दिया गया...यह आदेश लोगों की जानकारी में 26 जुलाई को आया और 26 जुलाई को ही बेदखली का नोटिस 23 जुलाई की तिथि पर दिया गया।
- अखबार के संपादक को बेदखली का नोटिस पितृ शोक के दौरान मिला 26 जुलाई को शाम 6:45 बजे के बाद मिला और 27 जुलाई का समय दिया गया बेदखली का।
- पितृ शोक में रहने के बावजूद संपादक ने तत्काल ही 26 जुलाई को संबंधित अधिकारी को बेदखली में खाली करने के लिए समय मांगा गया पर समय न देकर 28 जुलाई को सुबह 5:00 बजे प्रशासन कई बुलडोजर व सुरक्षा के साथ पहुंच गया।
- कार्यवाही की एक दिन पहले 27 जुलाई को रात 10:30 बजे स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उनके ओएसडी संजय मरकाम सहित तीन अन्य लोग संपादक के घर बैठे रहे और मामले पर बात करते रहे।
- स्वास्थ्य मंत्री का प्रतिनिधिमंडल 4:00 तक संपादक के घर बैठ रहा और 5:00 बजे कार्रवाही करने पूरा प्रशासनिक अमला पहुंच गया।
- दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान को संज्ञान में लेने के बजाय उस अभियान को बंद करने के लिए 28 जुलाई 2024 अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठान पर बुलडोजर की कार्यवाही की गई।
- दैनिक घटती-घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे?
- यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके।
- कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया।
- बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई।
- पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई,लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया, पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदनशीलता सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है।
- जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया।
- अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी।
- उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई।

कलम बंद...का 64 वां दिन

?

कलम बंद...का 64 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

अम्बिकापुर,03 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी?

कलम बंद...का 64 वां दिन

?

कलम बंद...का 64 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,03 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

?

कलम बंद...का 64 वां दिन

कलम बंद...का 64 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

असफाक उल्लाह ने अपनी ही जुबानी कबूल की...वह लोगों का पैसा निवेश करता था...

दैनिक घटती-घटना की खबर पर लगी मुहर...करते थे पैसे का कोई लेन-देन...खुद कबुला असफाक ने...

- » असफाक का एक वीडियो आया सामने...काफी विचलित बहुत दुखी है असफाक...बताया 10 दिनों से है मुंबई में...
- » काफी दर्द भरा है असफाक के अंदर...जो वीडियो के माध्यम से देखने को मिला...
- » जहां बाप-बेटा दोनों पैसे निवेश की बात से इंकार करते थे...वहीं बेटे ने कबूला निवेश की बात...
- » क्या असफाक ने झूठी शिकायत की थी पत्रकार के विरुद्ध...और भेजा था लीगल नोटिस...?

बाप बेटे ने कभी कहा था नहीं करते किसी का पैसा निवेश,अब बेटा खुद कह रहा वह किया है लोगों का पैसा निवेश

असफाक उल्लाह के पिता सहित उसने खुद दैनिक घटती-घटना के समाचारों के बाद जो उनके चिटफंड व्यापार के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किए गए थे यह साबित करने एक वीडियो संदेश जारी किया था और दैनिक घटती-घटना के समाचार को झूठा साबित करने का प्रयास किया था की वह न किसी का पैसा निवेश करते हैं और न उनका कोई ऐसा व्यापार है। अब वही असफाक उल्लाह वीडियो संदेश जारी कर रहा है वह भी मुंबई से और अपने निवेशकों को वह सांत्वना दे रहा है की वह जल्द लौटेगा और सभी का वह पैसा लौटाएगा। असफाक उल्लाह की स्वीकारोक्ति के बाद यह स्पष्ट हो गया की दैनिक घटती-घटना सही तथ्य और सही जानकारी अनुसार समाचार का प्रकाशन कर रहा था और यदि समय पर सभी ने ध्यान दिया होता किसी का पैसा नहीं डूबता न ही असफाक के पास इतना निवेश ही पैसा होता। वैसे इस मामले में प्रशासन की सबसे बड़ी गलती है यदि वह ध्यान देता जरूर लोगों का पैसा डूबने से बच जाता।

-रवि सिंह-

सूरजपुर,03 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। सुरजपुर जिले के बसदेई पुलिस चौकी अंर्तगत आने वाले शिवप्रसाद नगर गांव का असफाक उल्लाह काफी कम समय में करोड़पति बन गया था और उसकी कहानी भी छत्तीसगढ़ के शिवा साहू जैसी थी जो पुलिस की जद में जल्द आ गया था और उसके विरुद्ध पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया था लेकिन असफाक उल्लाह के मामले में स्थानीय पुलिस ने कोई सज्ञान नहीं लिया न ही खबरों से ही कोई सीख लिया और परिणाम यह हुआ की कई लोगों का पैसा असफाक उल्लाह के पास आज डूबने की कगार पर है या यह कहें की पैसा डूब चुका है।

दैनिक घटती-घटना ने असफाक उल्लाह के चिटफंड व्यवसाय को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को यह चेताने का प्रयास किया की असफाक उल्लाह लोगों का पैसा दुगुना करने के नाम पर पैसा ले जरूर रहा है लेकिन वह एक समय आएगा जब सभी का पैसा लेकर भाग जायेगा और हुआ भी वही आज शासन-प्रशासन की लापरवाही की वजह से असफाक उल्लाह फरार है और लोग अपनी गाढ़ी कमाई जो दुगुना करने के लालच में असफाक को दिए थे वह अब वापस पाने के लिए परेशान हैं और असफाक को ढूंढ रहे हैं लेकिन असफाक फरार है लापता है।

शासन-प्रशासन यदि खबरों से संज्ञान लेता तो आज यह स्थिति नहीं आती वहीं आज कम से कम लोग असफाक उल्लाह के झांसे में आते लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार लोगों की लापरवाही या कहें कुछ की मिलीभगत ने लोगो का नुकसान करा दिया वहीं जब असफाक के चिटफंड की बात दैनिक घटती-घटना प्रकाशित कर रहा था तब असफाक की ही शिकायत पर दैनिक घटती -घटना के पत्रकार को पुलिस ने नोटिस भेजकर खबर प्रकाशन का आधार पूछा और एक तरह से परेशान किया जबकि यदि पुलिस असफाक से शिकायत का आधार पूछती और उससे उसके व्यवसाय का आधार पूछती आज लोगों का पैसा सुरक्षित होता। खैर असफाक और उसके पिता ने तब जब दैनिक घटती-घटना में समाचार प्रकाशित हो रहा था उनके विरुद्ध चिटफंड का तब यह साबित करने का प्रयास किया था की वह किसी से न पैसा लेते हैं न ही उन्हें कोई पैसा देगा ही। वह जिस समुदाय से हैं उस समुदाय पर ही लोगों का विश्वास पैसे के मामले में नही रहता है यह भी उन्होंने साबित करने का बयान देकर प्रयास किया था और इसी आधार पर उन्होंने पत्रकार को कानूनी नोटिस भेजा था और परेशान किया था।

निवेशकों को मिस कर रहे हैं असफाक

असफाक ने अपने लाइव वीडियो के जरिए अपने निवेशकों से बात करते हुए कहा कि मै काफी परेशान था बहुत बड़ी मुशीबत थी मेरे सामने रास्ता नजर नहीं आ रहा था,रास्ता समझ नहीं आ रहा था, बहुत मिस किया आप लोगों को कई लोगों ने मेरी बुराई की,कई लोगों ने अच्छाई की,कई लोगों ने मेरे लिए दुआएं किया,सारे लोग एक जैसे तो नहीं होते मैं भी जितने लोगों का इन्वेस्टमेंट किया-कराया जो भी है अचानक से ऐसा हुआ कि समझ नहीं आया कि क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए सारे लोगों का सपोर्ट रहा अच्छे से,मेरी कमबैक होने वाला है 8 तारीख से 10 तारीख तक घर आने वाला हूं सारी प्रॉब्लम सॉल्व हो जाएंगे,आप लोगों के दुआ से मेरा काम हो गया है, अच्छे से हो रहा है अभी मुंबई में हूं भाई,बड़ी प्रॉब्लम थी वापस निकल पाना मुश्किल था, मुझे 10 दिन हो गए मुंबई में काफी मिस किया लोगों को,साथ देने वाला एक समय था कि मेरे पास 10-10 लोगों थे और स्ट्रगल समय में कोई नहीं था, ऊपर वाले के रहमत कर्मों से सारा कुछ ठीक हो रहा है जब मैं यह काम शुरू किया था तो यह सोचकर नहीं किया था कि किसी को कभी नुकसान हो जाए,चाहे वह गरीब हो अमीर हो, हमारी फैमिली बैकग्राउंड कमजोर नहीं थी कि मुझे यह काम करना था या करता,ऐसे हालात बने बचपन था जो भी था उम्र मेरी ज्यादा नहीं था, काम करते गए लोग जुड़ते गए इस उम्मीद से जुड़ते गए की लोग दो पैसा कमा लें अपन यह नहीं सोचेगी कि बैकग्राउंड ऐसा कुछ हो जाएगा ऐसा मामला फंसता है तो क्या होगा अचानक से ऐसा मोड़ आया काफी लोग मेरे से जुड़े हुए थे 200-300 लोग जुड़े हुए थे ऐसी प्रॉब्लम नहीं आई थी अचानक इतना बड़ा प्रॉब्लम आया है, अचानक से लोग साथ छोड़ दिए आप लोगों की दुआओं से काम हो रहा है बहुत जल्दी घर वापसी होगा। कभी यह नियत नहीं बनाई कि किसी के पैसा डूब जाए किसी का काम खराब हो जाए लेकिन थोड़ी सी प्रॉब्लम तो हुई है मेरे साथ बहुत बड़ी प्रॉब्लम आई, अच्छे दिन भी देख बुरे दिन भी देखें मेरे फैमिली को भी टॉर्चर किया गया,बड़े बुरे दिन भी बीते हैं आंखों के सामने से तो गुजरता है तो वह बहुत बुरा दिन है। पूरे बात के दौरान उन्होंने कई लोगों का नाम लिया और अपनी परेशानियों को उनसे सजा कर रहे थे अपने दुख की गाथा गा रहे थे। 10 रास्ते बंद हुए तो एक रास्ता दिखा।

असफाक उल्लाह ने अपने ही अधिवक्ता को दी थी गलत जानकारी, यह भी बात अंततःसत्य हो गई...

असफ़ाक उल्लाह की दैनिक घटती-घटना में चिटफंड व्यवसाय की खबर लगने के बाद असफाक व उसके पिता दोनों ने एक पत्रकार को बयान दिया था कि ऐसा वह कोई ऐसा काम नहीं कर रहे हैं और किसी का पैसा उनके पास नहीं निवेश किया जाता है, अखबार में जो छप रहा है वह गलत है जिसके लिए वह पत्रकार पर कानूनी कार्यवाही करेंगे, यहां तक की अपने अधिवक्ता के माध्यम से उन्होंने मानहानि का नोटिस भी भेजा था और पत्रकार को माफी मांगने के लिए कहा था और कहा था कि असफाक पैसे के लेनदेन का काम नहीं करते हैं, उनके पास उनका खुद का प्रतिष्ठान व व्यापार है उसी को ही वह देख रहे हैं पैतृक संपत्ति भी उनके पास ठीक-ठाक है यही वजह है कि उनका रहन-सहन भी उसी के जैसा है, इस पर भी दैनिक घटती-घटना ने खबर प्रकाशित करके बताया था कि उनके क्लाइंट ने भी उन्हें गलत जानकारी दी है जिस वजह से उन्होंने पत्रकार को नोटिस भेजा है अंततः वह बात भी आज साफ हो गई जब असफाक का इंस्टाग्राम का लाइव वीडियो लोगों के मोबाइल में घूम रहा है उसमें उन्होंने खुद बोला है कि इन्वेस्टर के पैसे लगते थे और नहीं चाहते थे कि उनका पैसा डूब जाए वह भी पैसा कमाए अब यह बात जब साफ हो गई है तो क्या असफाक उल्लाह ने पत्रकार के विरुद्ध जो झूठी शिकायत की थी और अपने अधिवक्ता के माध्यम से जो नोटिस भेजा था क्या उसके लिए अब वह माफी मांगेंगे? दैनिक घटती-घटना हमेशा ही सत्यता के करीब वाली खबर को ही प्रकाशित करने का उद्देश्य रखता है यही वजह है कि खबर को प्रथम दृष्टि में संज्ञान लेने के बजाय उसपर आरोप प्रत्यारोप लगाकर पूरे मामले को गलत दिशा देने वाले के लिए अंत में अखबार की छपी खबर ही सत्य होती।

मैं घबरा गया था:असफाक उल्लाह

कभी ऐसा मुश्किल काम देखा नहीं था पता नहीं चला था जब कुछ लोग कहने लगे जेल के अंदर डाल देंगे मैं एकदम से घबरा गया कुछ समझ नहीं आ रहा था मुझे लोग बोलने लगे थे, यह सब चीज असफाक ने अपने निवेशकों से बात करते हुए कहा जो अचानक हुए वीडियो वायरल में सुनने को मिला। असफाक की वायरल वीडियो काल यह साबित करती है की वह डरा हुआ है और वह डरा हुआ क्यों है यह समझा जा सकता है क्योंकि उसने चिटफंड का व्यवसाय किया है। अब वह फरार है और वीडियो काल करके लोगों को सांत्वना देने का वह प्रयास कर रहा है।

क्या मुंबई से खूब पैसा लेकर आएंगे और अपनी परेशानी को करेंगे दूर, लोगों का पैसा भी वह लौटाएंगे?

अशफाक पूरे वीडियो में यह कहते दिखे कि उनकी परेशानियां दूर हो गई हैं 10 तारीख को आ रहे हैं और जिनकी परेशानियां हैं वह भी दूर हो जाएंगी, क्या मुंबई से वह खूब पैसा लेकर आएंगे और अपने निवेशकों को सारे पैसे लौटा देंगे आखिर ऐसा कौन सा काम कर रहे थे असफाक की पूरी तरीके से फंस गए आज उन्हें भी इस बात का एहसास हो रहा है जैसा कि वह वीडियो में बोलते हैं , उन्हें अपनी गलती का भी एहसास हुआ और अपने काम के दौरान निवेशको का पैसा लगाने की बात भी स्वीकार की।

प्रशासन कैसे नहीं समझ पाया असफाक की लोगों को जल्द अमीर बनाने की तरकीब,समझकर या तो नासमझी साबित की जिम्मेदार लोगों ने

प्रशासन के संज्ञान में लगातार यह बात समाचार के माध्यम से आ रही थी की असफाक किस तरह जल्द अमीर बनता जा रहा है और विदेशी गाड़ियों सहित देशी गाड़ियों की कैसे उसके पास सीरीज इक्कठी हो रही है वहीं कैसे वह अन्य लोगों को भी अमीर बना रहा है या बनाने का दावा कर रहा है। प्रशासन यदि समाचार से संज्ञान लेता लोगों का पैसा डूबने से बच जाता लेकिन प्रशासन या जिम्मेदार लोगों ने या तो ध्यान नहीं दिया या ध्यान देकर भी अनजान बने रहे जिसके कारण लोगों का पैसा डूब गया और आज असफाक फरार है।

घटती-घटना | अम्बिकापुर,शुक्रवार 17 मई 2024 | 6
...ता के दौरान जिले के सरहदों पर लगा रहा कड़ा ...फिर भी आता-जाता रहा असफाक का पैसा:सूत्र
...क की पहुंच मुख्यमंत्री तक...इस वजह से नहीं हो पा रही कार्यवाही?

घटती-घटना | अम्बिकापुर,गुरुवार 06 जून 2024 | 5
...सफाक के व्यापार का केन्द्र गांव तक और प्रचार-प्रसार शहर तक!
क्या पैसे पर इतना भरोसा हो गया है कि पैसा कमाने के लिए किसी हद तक जाने को तैयार है असफाक?

घटती-घटना | अम्बिकापुर,सोमवार 13 मई 2024 | 5
असफाक के अधिवक्ता साहब! क्या किसी पर संदेह व्यक्त करना अपराध है, और ऐसे में फिर इसकी सजा क्या होगी?

घटती-घटना | अम्बिकापुर,शुक्रवार 10 मई 2024 | 5
असफाक उल्लाह के अधिवक्ता ने घटती-घटना के पत्रकार को भेजा वैधानिक नोटिस
पत्रकार न्यायालय जाने के लिए तैयार...
माननीय न्यायालय से करेंगे असफाक मामले की जांच करने की मांग...

घटती-घटना
एक तरफ शिवा साहू पर एफआईआर पर एफआईआर दर्ज हो रहा है वहीं असफाक को संरक्षण कैसे मिल रहा है?

असफाक ने फरारी की बात अपने ही लाइव वीडियों में कबूली

अब असफाक का एक वीडियो संदेश सामने आया है जिसमे वह अपनी फरारी की बात भी कबूल रहा है और लोगों के पैसे निवेश की बात भी कबूल रहा है। वह 10 दिनों से मुंबई में है 10 तारीख को आयेगा लोगों को वह सांत्वना दे रहा है जबकि यह भी तय है की वह लोगों का पैसा डूबा चुका है और अब वह किसी तरह लोगों को यह जतलाना चाहता है की वह उनका पैसा लौटा देगा और उसका पीछा फिलहाल छोड़ दे लोग उसे कानूनी लफड़े में न फंसाए और उसके विरुद्ध कानूनी शिकायत न करें। असफाक का यह तरीका जो वीडियो संदेश का तरीका है जिसके बहाने वह लोगों की सहानुभूति लेना चाहता है कितना कारगर होगा यह तो वही जाने लेकिन वह लोगों को फिर झांसे में लेना चाहता है उन्हे शिकायत से रोकना चाहता है यह विडियो संदेश से तय हो गया, वैसे यह विडियो संदेश उनके लिए राहत की खबर लाया जिनका बहुत अधिक निवेश है उसके पास जो उसे ढूंढ रहे थे। उन्हे यह असफाक बता ले गया की वह आयेगा और सभी का पैसा लौटाएगा जो लौटा पाने में तो वह सफल नहीं होगा लेकिन वह एक तरह से अपने लिए लोगों की सहानुभूति जुटा ले गया। ऐसा माना जा रहा है।

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

स्टीव स्मिथ ने कहा-टीम इंडिया को हराना मुश्किल

सिडनी,03 सितम्बर 2024। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2024-25 की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उत्साह बढ़ता जा रहा है। फैंस ही नहीं बल्कि खिलाड़ी भी इस रोमांचक सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी यानी बीजीटी के तहत लंबे समय बाद 5 मैचों की सीरीज खेली जाएगी, ऐसे में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही टीमें अपना दबदबा कायम करना चाहेंगी।

क्या टीम इंडिया है खिताब जीतने की दावेदार

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2024। महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होने में अब केवल एक ही महीने का वक्त बाकी है। अगले महीने यानी 3 अक्टूबर से इसका आगाज होने जा रहा है। सभी टीमें अपनी अपनी तैयारी में जुटी हैं। इस बीच टीम इंडिया एक बार फिर से हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मैदान में उतरेगी। वैसे तो भारतीय महिला टीम हर बार ट्रॉफी की दावेदार मानी जाती है। इस बार क्या होगा, अभी तो कहना मुश्किल है, लेकिन जिस तरह से रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता है, महिला टीम से भी उसी तरह की उम्मीद होगी। चलिए जरा समझने की कोशिश करते हैं कि टीम इंडिया इस बार पहले राउंड में किन टीमों से भिड़ेगी। टीम इंडिया का पूरा स्क्वाड क्या है और भारतीय टीम का पिछले कुछ साल में इस बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन कैसा रहा है।

इस बार यूएई में पहली बार होगा टी 20 वर्ल्ड कप का आयोजन

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन वैसे तो बांग्लादेश में होना था, यानी आईसीसी ने इसकी मेजबानी बांग्लादेश को सौंपी थी, लेकिन वहां चल रही राजनीतिक उथल पुथल के कारण आईसीसी ने इसे यूएई में ट्रांसफर कर दिया। अब सारे मुकाबले दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि ये यूएई की सरजमीं पर खेला जाएगा।

टी 20 वर्ल्ड कप के लिए दो ग्रूप में बांटी गई हैं टीमें

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए सभी 10 टीमों को दो ग्रूप में बांटा गया है। भारतीय टीम ए ग्रूप में है और उसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के ग्रूप में रखा गया है। यानी हरएक मुकाबला तगड़ा होगा। एक भी मैच ऐसा नहीं है, जिसे हल्के में लिया जाए। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत टीम से भिड़ना है, जो कई बार गहरे जख्म टीम इंडिया को दे चुकी है। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबला भी होगा, जिस पर पूरी दुनिया की नजर रहने वाली है।

हरमनप्रीत कौर के हाथ में होगी भारतीय महिला टीम की कमान

हरमनप्रीत कौर के हाथ में टीम इंडिया की कमान इस बार भी होगी। इससे पहले उनकी कप्तानी में भारतीय टीम तीन बार टी20 वर्ल्ड कप खेल चुकी है, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं आए। इस बार हरमनप्रीत कौर अपने चौथे विश्व कप में कप्तानी करती हुई नजर आएंगी। इस बार उनसे कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होगी। हरमनप्रीत के पास कप्तानी का काफी लंबा अनुभव हो चुका है। साथ ही इस बार बीसीसीआई की ओर से जो टीम चुनकर भेजी गई है, उसमें अनुभव और युवा जोश का अच्छा मिश्रण देखने के लिए मिल रहा है। यानी चांस तो इस बार का

विश्व कप जीतने के हैं, लेकिन होगा, क्या इसको लेकर अभी कुछ कहना मुश्किल है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीमें और ग्रूप

ग्रूप एः-ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका

ग्रूप बीः- दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड

टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा सोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन।

महिला टी 20 विश्व कप में भारत अपने मैच कब खेलेगा ?

4 अक्टूबरः-भारत बनाम न्यूजीलैंड, सिलहट

6अक्टूबरः-भारत बनाम पाकिस्तान, सिलहट

9अक्टूबरः-भारतबनाम क्वालीफायर 1, सिलहट

13 अक्टूबरः-भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिलहट

हरमनप्रीत सिंह ने कहा-ओलंपिक कांस्य अब बीती बात,एसीटी खिताब पर नजरें हैं

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2024। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने का जश्न खत्म करके अब चीन में इस महीने होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखने पर फोकस करना होगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

हरमनप्रीत ने हालांकि कहा कि अब ब्रेक के बाद आठ से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हरमनप्रीत ने चीन रवाना होने से पहले कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक खत्म करके टीम एशियाई टीमों का सामना करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन हॉकी काफी करीबी खेल है। हम अतीत के अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते।''

भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। भारत को आठ सितंबर को चीन से खेलना है।इसके बाद नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान से मुकाबला है। शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को है। भारत ने चार बार और पाकिस्तान ने तीन बार खिताब जीता है। पिछली बार चेन्नई में भारत ने मलेशिया को 4 . 3 से हराकर खिताब जीता था।

पाकिस्तान को बांग्लादेश ने फिर से नचा दिया नाच

घर में अपनी टीम का बुरा हाल देख भड़का पाक क्रिकेटर

रावलपिंडी,03 सितम्बर 2024।घर में पाकिस्तान टीम की इतनी बुरी हालत देखकर पाकिस्तानी फैन ही नहीं बल्कि कई क्रिकेटर अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर जाहिर कर रहे हैं। पाकिस्तान के क्रिकेटर अहमद शहजाद ने भी पाकिस्तान टीम को आड़े हाथों लिया है। शहजाद का कहना है कि बांग्लादेशी गेंदबाजों ने पाकिस्तानी बल्लेबाजों को फिर से तिगनी का नाच नचा दिया है। बता दें, रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 10 विकेट से हराया था। शहजाद ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि पाकिस्तान टीम अपनी गलतियों से सीख ही नहीं रही है। अब पाक टीम में वह बात नहीं रही। फैंस गलती कर रहे हैं टीम से उम्मीदें लगा कर या फैंस ये गलती कर रहे हैं क्योंकि टीम सभी की भावनाओं के साथ इस तरह से खेल रही है।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत जीतेगा और आईसीसी ट्रॉफी! बोले-मैं रुकूंगा नहीं

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आने वाले दिनों के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम के खिलाड़ी इन दिनों रेस्ट पर हैं। इसी बीच 21 अगस्त को मुंबई में सीएट क्रिकेट अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया था। जहां टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कई बड़े खुलासे किए हैं। रोहित शर्मा का मानना है कि वह टी20 वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद भी नहीं रुके हैं। उनसे शो के दौरान जब उनके आगे के प्लान के बारे में पुछा गया तब उन्होंने इस पर खुलकर बातें की है।

क्या बोले कप्तान रोहित शर्मा

रोहित ने भारतीय कप्तान के रूप में अपने लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैंने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं, इसका एक कारण यह भी है। मैं रुकने वाला नहीं हूं। एक बार जब आपको मैच जीतने और कप जीतने का स्वाद मिल जाता है, तो

आप रुकना नहीं चाहते और हम आगे बढ़ते रहेंगे, भविष्य में बड़ी चीजों के लिए प्रयास करते रहेंगे। रोहित शर्मा ने आगे कहा कि हमारे पास आने वाले कुछ ठोस दौरे हैं, और बहुत चुनौतीपूर्ण भी हैं। हमारे लिए, यह जीतते रहने की इच्छा कभी नहीं रुकती। एक बार जब आप कुछ हासिल कर लेते हैं, तो आप हमेशा और अधिक हासिल करने के लिए तत्पर रहते हैं और यही मैं भी करूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरे साथी भी इसी तरह सोच रहे होंगे। भारतीय क्रिकेट के लिए यह आगे बढ़ने का एक रोमांचक समय है। ईमानदारी से कहूं तो, मैंने पिछले दो सालों में भारतीय क्रिकेट में जो कुछ देखा है, उससे लगता है कि इसमें वाकई बहुत उत्साह है। अगले कुछ साल भी रोमांचक हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम वहां जाकर खेल का आनंद ले सकेंगे और साथ ही हमारे सामने आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा सकेंगे।

वर्ल्ड कप ट्रॉफी करेगी रोहित को मोटिवेट

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 चक्र के फाइनल में उन्हें ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा और यकीनन उन्हें सबसे बड़ा दिल टूटना पड़ा जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने फाइनल में उनका तीसरा वर्ल्ड विश्व कप जीतने की उम्मीदें ध्वस्त हो गईं। रोहित शर्मा के लिए यह दो सबसे बड़े सेट बैक में से एक रहे। उनके करियर में उन्हें हमेशा ये दो हार याद रहेंगे, लेकिन अब उनके पास एक आईसीसी ट्रॉफी है। जो उन्हें आगे के लिए मोटिवेट करता रहेगा।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में पाकिस्तान का हुआ बुरा हाल

» बांग्लादेश ने लगाई लंबी छलांग

» इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका टीमों को हुआ नुकसान

रावलपिंडी,03 सितम्बर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट इस वक्त एक बहुत ही बुरे दौर से गुजर रही है। अब से करीब एक महीने पहले तक किसी ने सोचा तक नहीं होगा कि जो बांग्लादेशी टीम पाकिस्तानी दौरे पर जा रही है, वो वहां से इतिहास रचकर वापस लौटेगी। पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब उसे बांग्लादेश के हाथों टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा है। पहला टेस्ट 10 विकेट से हारे, इसके बाद भी पाकिस्तान के पास मौका था कि दूसरा मुकाबला जीतकर टीम सीरीज को बराबरी पर लेकर आए, लेकिन शान मसूद की कप्तानी वाली टीम ऐसा भी नहीं कर सकी और लगातार दो मैच हाथ से चले गए। इस मैच के बाद अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में भी काफी बदलाव नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी टीम जहां एक ओर लगातार नीचे जा रही है, वहीं बांग्लादेश की टीम नई उड़ान पर है।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में पाकिस्तान आठवें नंबर पर, पीसीटी का नुकसान

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला गया टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला भी बांग्लादेश ने अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश ने बड़े आराम से मैच के आखिरी दिन पाकिस्तान को पस्त कर दिया। हालांकि बांग्लादेश की जीत तो चौथे ही दिन तय हो गई थी, पांचवें दिन

केवल औपचारिकता ही पूरी करनी थी। ये हाल तब है, मुकाबले का पहला दिन बारिश के कारण पूरी तरह से धुल गया था। इस बीच डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में अगर पाकिस्तान की बात करें तो अब उसका पीसीटी 19.04 हो गया है। जो इस मैच से पहले तक 22.22 का था। हालांकि पाकिस्तान के लिए राहत की बात ये है कि वो अभी तक सबसे आखिरी टीम नहीं बनी है। 9 देशों के इस टूर्नामेंट में सबसे आखिरी पायदान पर वेस्टइंडीज है, जिसका पीसीटी इस वक्त 18.52 का है। यानी दोनों टीमों का हाल करीब करीब एक ही जैसा है। बस पीसीटी का अंतर छोटा सा है।

बांग्लादेश की टीम ने लगाई सीधे चौथे स्थान पर छलांग

बात अगर बांग्लादेश की करें तो रावलपिंडी टेस्ट से पहले तक इस टीम का पीसीटी 35.0 का था, जो अब बढ़कर 45.83 का हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश की टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल में लंबी छलांग भी मार दी है। इस मुकाबले से पहले बांग्लादेश की टीम छठे स्थान पर थी, लेकिन अब साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को पीछे छोड़ते हुए सीधे नंबर चार की कुर्सी पर काबिज हो गई है। अब बांग्लादेश से आगे जो टीमें हैं, उसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ही रह गई हैं। बांग्लादेश ने बैक टू बैक दो टेस्ट मुकाबले जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में एंट्री करने की अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं। लेकिन टीम को यहां से भी अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे।

टीम इंडिया पहले और ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर काबिज

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल की टॉप 3 टीमों की बात की जाए तो इस वक्त टीम इंडिया 68.51 पीसीटी के साथ नंबर एक की कुर्सी पर विराजमान है। इसके बाद नंबर ऑस्ट्रेलिया का आता है, जिसका पीसीटी इस वक्त 62.5 का है। यानी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुत मामूली सा अंतर है। इसके बाद तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है, जिसका पीसीटी अभी 50.0 का है। बांग्लादेश की जीत से इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका का नुकसान हुआ है।

15 जून को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2024। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा है। इस वक्त ज्यादातर टेस्ट सीरीज इसी का हिस्सा हैं। हालांकि इसके फाइनल में अभी काफी वक्त है और टीमें एक दूसरे को पीछे कर फाइनल में जाने की दावेदारी पेश कर रही हैं। इस बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की संभावित तारीख सामने आई है। हालांकि अभी तक आईसीसी की ओर से इस बारे में पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन ये पक्का है कि साल 2025 में खेला जाना वाला फाइनल इंग्लैंड के लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर खेला जाएगा। भारतीय टीम एक बार फिर से फाइनल खेलने की अपनी दावेदारी पेश कर रही है।

लॉर्ड्स में 11 से 15 जून के बीच हो सकता है डब्ल्यूटीसी का फाइनल

डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर खेला जाएगा। अभी तक जो जानकारी हाथ लगी है, उसमें कहा जा रहा है कि फाइनल मुकाबला 11 से 15 जून तक हो सकता है। इसके साथ ही 16 जून का दिन रिजर्व डे के रूप में रखा गया है। यानी अगर मैच के पहले पांच दिन बारिश होती है तो छठे दिन भी मुकाबला जारी रहेगा। वैसे तो टेस्ट मैच में रिजर्व डे नहीं होता है, लेकिन ये चुंकि फाइनल होगा, इसलिए एक दिन रिजर्व भी रखा गया है, ताकि रिजल्ट आ सके। हालांकि अभी तक आईसीसी ने डेट को लेकर कोई ऐलान नहीं किया है। लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही उसकी ओर से आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया फाइनल खेलने के सबसे तगड़े दावेदार

भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में इस वक्त विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर चल रही है।

क्राइम मास्टर गोगो से कॉमिक टाइमिंग बादशाह तक,ऐसा रहा सफर,एक हादसे ने बदली जिंदगी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के क्राइम मास्टर गोगो 3 सितंबर को अपना 72 वां जन्मदिन मनाए। मिडिल क्लास फैमिली में जन्में शक्ति कपूर का फिल्मी सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसके बावजूद भी उन्होंने 700 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीते हैं। शक्ति कपूर ने इंडस्ट्री में नेगेटिव से लेकर कॉमेडी तक कई बेहतरीन रोल कर अपने दम पर पहचान बनाई है। उन्होंने ज्यादातर फिल्मों में विलेन का किरदार ही निभाए हैं, लेकिन शक्ति कपूर फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए भी दुनिया भर में मशहूर हैं। दर्शकों उनका मस्तीभरा अंदाज बहुत पसंद आता है। 1980 और 1990 के दशक में शक्ति कपूर ने अभिनेता असरानी और कादर खान के साथ 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

अभिनेता शक्ति कपूर 2011 में भारतीय रियलिटी शो बिग बॉस 5 का भी हिस्सा रह चुके हैं। ये बात बहुत कम लोग जानते हैं। शक्ति कपूर का असल नाम सुनील सिकंदरलाल कपूर है, लेकिन संजय दत्त के कहने पर उन्होंने अपना नाम बदल लिया था। जब शक्ति कपूर संजय दत्त के साथ फिल्म रॉकी में काम कर रहे थे तभी संजय ने उनसे कहा था कि सुनील सिकंदरलाल कपूर उनकी पर्सनैलिटी से मैच नहीं खाता है। 1975 में रिलीज हुई फिल्म कुर्बानी से शक्ति कपूर ने अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म का ऑफर उन्हें फिरोज खान के बदौलत मिला था और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। शक्ति कपूर ने बताया था कि एक दिन उनकी गाड़ी की फिरोज खान की मर्सडीज से टक्कर हो गई थी जहां वह पहली बार अभिनेता से मिले और उन्हें अपने एक्टिंग डिप्लोमा के बारे में बताया। वहीं कुर्बानी में उनका एक दोस्त भी काम कर रहा था, जिसकी मदद से फिल्म का ऑफर शक्ति कपूर के हाथ लगा।

अभिनेता को इस इंडस्ट्री में तीन दशक हो गए हैं और आज भी उनके किरदार लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। नेगेटिव रोल करने के बाद, शक्ति कपूर धीरे-धीरे एक लोकप्रिय कॉमेडी स्टार बन गए और डेविड धवन की फिल्म राजा बाबू में नंदू के किरदार में छा गए। इस फिल्म के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

थलापति विजय की फिल्म ने रिलीज से पहले की छप्परफाड़ कमाई

तमिल फिल्मों के बड़े स्टार और अपने फैंस के बीच थलापति विजय के नाम से पहचाने जाने वाले सुपरस्टार की अपकमिंग फिल्म गोट को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्मों से राजनीति में एंट्री करने वाले थलापति विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने रिलीज से पहले ही छप्परफाड़ कमाई कर धूम मचा दी है। अभिनेता की इस फिल्म से दर्शकों बहुत उम्मीद है तो क्या ये फिल्म सिनेमाघरों में अपना जलवा दिखा पाएगी। अगले तीन दिनों में फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन खास बात ये है कि गोट ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में धुंआधार कमाई कर ली है।

सुपरस्टार थलापति विजय की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। रिलीज से पहले ही अभिनेता की फिल्म ने दुनिया भर में धमाकेदार कमाई कर ली है। एडवांस बुकिंग के पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है और लोग धड़ल्ले से फिल्म की टिकट बुक कर रहे हैं। सैकनिल्क के अनुसार गोट की एडवांस बुकिंग में साढ़े 3 लाख से ज्यादा टिकट बिक गई है।द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर फैंस के बीच पहले से ही जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है, जिसका असर एडवांस बुकिंग के पहले दिन साफ देखने को मिल रहा है। थलापति विजय की गोट ने एडवांस बुकिंग में सबसे ज्यादा तमिल 2डी वर्जन के 36,4087 टिकट बिके हैं। तेलुगु 2डी के 3,113 और तमिल 2डी वर्जन में 1637 टिकट बिक चुके हैं। बता दें कि एडवांस बुकिंग में पहले दिन फिल्म की उम्मीद से ज्यादा टिकटों की ब्रिक्री हो गई है। तमिलनाडु में एक्टर विजय की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। रजनीकांत और कमल हासन के बाद विजय के सबसे ज्यादा चाहने वाले हैं।फिल्म गोट 5 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में थलापति विजय के अलावा प्रभु देवा, जयराम, योगी बाबू, स्नेहा, प्रशांत, मोहन, अजमल अमीर, मीनाक्षी चौधरी, लैला, वैभव रेड्डी, और अरविंद आकाश सहित कई स्टार्स भी दिखाई देंगे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) उदयपुर जिला सरगुजा

-:: ईश्तहार ::-

रा0प्र0क्रं0/ /अ-02/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश नायर आ0पी0आर0 कुटटापन जाति कुर्मी निवासी ग्राम कुंवरपुर तहसील लखनपुर जिला सरगुजा के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुंवरपुर तहसील लखनपुर स्थित खसरा नंबर 423 रकबा 0.100 हे0 में से रकबा 0.040 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1,खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट अभिलेख एवं ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14.08.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा)
उदयपुर सरगुजा(छ.ग.)

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें कलेक्टर विलास भोसकर जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)